हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, गुरुवार, 25 दिसंबर 2025

14 प्रभु यीशु मसीह जन्मा, प्यारा प्रभु जन्मा व जिंगल बेल...

14 कलाकारों ने स्वरचित नरसी का भात सांग का किया...

खबर संक्षेप

जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए चयन कल

भिवानी। हरियाणा के उभरते हैंडबॉल खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर है। दिल्ली में होने वाली 47वीं एचएफआई जूनियर बॉयज नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए हरियाणा की टीम का चयन 26 दिसंबर को किया जाएगा। हरियाणा हैंडबॉल एडहॉक कमेटी के चेयरमैन और हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष योगेश मेहता द्वारा जारी आधिकारिक सूचना अनुसार चयन प्रक्रिया पूरी तरह योग्यता आधार पर होगी। कोच विवेक खरकिया ने बताया कि चैंपियनशिप के लिए 26 दिसंबर को सुबह 9 बजे गांव सरल स्थित एमडी स्कूल चयन ट्रायल का आयोजन किया जाएगा।

किसानों को मिलेंगे अनुदान पर सोलर पंप

चरखी दादरी। अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबुलाल करवा ने बताया कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरेडा पंचकूला द्वारा सरल पोर्टल पर प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत हरियाणा के किसानों द्वारा सोलर पम्प लगवाने के लिए नए आवेदन 25 दिसंबर से आमंत्रित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसान 75 प्रतिशत अनुदान राशि पर 3 एचपी, 5 एचपी, 7.5 एचपी व 10 एचपी सोलर पम्प के लिए आवेदन कर सकते हैं। बिजली आधारित कनेक्शन के मौजूदा आवेदकों को सौर ऊर्जा पम्प के कनेक्शन के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

वायदाखिलाफी से रोडवेज कर्मचारियों मे रोष

भिवानी। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन (रजि. नं. 1) ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यूनियन के आह्वान पर 25 दिसंबर को चरखी दादरी डिपो में कर्मचारी एक दिवसीय भूख हड़ताल करेंगे। यह कदम सरकार द्वारा बार-बार की बैठकों के बावजूद मांगों पर ठोस कार्रवाई न करने और आधिकारिक पत्र (नोटिफिकेशन) जारी न करने के विरोध में उठाया जा रहा है। डिपो सचिव योगेश जांगड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार के साथ हुई पिछली बैठकों में 33 में से कुछ महत्वपूर्ण मांगों पर सहमति तो बन गई थी।

जिला रोजगार मेले में 17 हुए चयनित

भिवानी। जिला रोजगार कार्यालय में एक रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में टाटा एआई फाइनेंस कंपनी ने साक्षात्कार के आधार पर रोजगार के अवसर दिए। रोजगार मेले के दौरान जिला रोजगार अधिकारी डॉ. कविता ग्रेवाल ने प्रार्थियों को रोजगार परक स्त्रोतों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्राथियों व नियोजकों को प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अरावली पर्वत पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की फूंकी प्रतियां

कम ऊंचाई की पहाड़ियों में खनन की अनुमति के विरोध में गरजे संगठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन की केंद्रीय कार्यकारिणी के आह्वान पर बुधवार को संगठन के कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा दूल्हैड़ी गांव में अरावली पर्वत पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा 100 मीटर से कम ऊँचाई की पहाड़ियों में खनन करने की अनुमति देने के फैसले की प्रतियां फूंकी।

इस मौक़े पर संगठन के जिला प्रधान रोहतास सिंह सैनी ने कहा कि हमारा दृढ़ मत है कि केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अनुशंसित और 20 दिसंबर, 2025 को सर्वोच्च न्यायालय की एक पीठ द्वारा स्वीकृत अरावली जिलों की एकसमान परिभाषा भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला के लिए विनाशकारी साबित होगी। यह मरुस्थलीकरण के एकमात्र अवरोधक, जल पुनर्भरण क्षेत्रों, वन्यजीव आवासों और हमारे देश के विशाल क्षेत्रों, विशेष रूप से हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली के संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देगी।

उनका कहना था कि हम जानते हैं कि विशेषज्ञ सर्वोच्च न्यायालय के उक्त फैसले को लेकर बेहद चिंतित हैं। उनका मत है : पहला, यह 100 मीटर की ऊंचाई पर आधारित अरावली पहाड़ियों की व्यक्तिपरक और अवैज्ञानिक परिभाषा को अपनाता है। दूसरा, इससे अरावली पर्वतमाला का अधिकतम हिस्सा (कुछ लोगों के अनुसार 90 प्रतिशत) कानूनी संरक्षण से बाहर हो जाएगा। परिणामस्वरूप, बहुराष्ट्रीय कंपनियां अंधाधुंध खनन गतिविधियों से इसका लाभ उठाएंगी। तीसरा, इससे थार रेगिस्तान के मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा दृढ़ विश्वास है कि केंद्र में भाजपा सरकार का यह कदम पूरी तरह से जनविरोधी और कॉरपोरेट समर्थक है और समाज के सभी वर्गों के लोगों को एकजुट करके इसका विरोध किया जाना चाहिए।हजारों लोग पहले से ही सड़कों पर उतरकर सत्ताधारी गुट की इस घिनौनी साजिश का विरोध कर रहे हैं।

संगठन के जिला कमेटी सदस्य फूलचंद ने कहा कि हम सभी मेहनतकश जनता से आगे आने और आंदोलन को सफल बनाने के लिए हर संभव सहायता और समर्थन देने का आग्रह करते हैं। इस मौके पर विजय कुमार, रामेश्वर, भीम सिंह, दीवान सिंह, हरिओम, तेजपाल, मालाराम, पूर्ण सिंह, चेतराम, इंदराज सिंह, महावीर सिंह आदि मौजूद थे।

तोशाम। अदालत के फैसले का विरोध जताते हुए। फोटो : हरिभूमि

27 को तोशाम से उठेगी अरावली को बचाने की हुंकार

तोशाम। विश्व की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला अरावली पर्वतमाला को नष्ट होने से बचाने के लिए विभिन्न संगठन शनिवार, 27 दिसंबर को सुबह 11:00 बजे चौ. रघुबीर सिंह फॉर्महाउस, तोशाम से हुंकार भरेंगे। उक्त शब्द युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल प्रधान ने कहे। कमल प्रधान ने कहा कि अरावली पर्वतमाला ना सिर्फ एक पर्वत श्रृंखला है अपितु पूरे उत्तर भारत की पर्यावरण संरक्षक भी है। लेकिन मौजूदा सरकार न्यायपालिका के जरिए अपने चंद व्यवसायी मित्रों को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए आम जनमानस के जीवन, वनस्पति तथा वन्य जीव जंतुओं तथा देश की भौगोलिक संरचना को नष्ट करने पर तुली हुई है। सरकार के दबाव में एक तुगलकी फरमान जारी कर देश की न्यायपालिका ने यह फैसला किया है कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ अरावली पर्वतमाला में नहीं गिने जाएंगे तथा उनको हटाया जा सकता है।

भिवानी। तोशाम में बैठक को लेकर रणनीति तय करते हुए।

भिवानी में 28 को सजेगा कल के कलाकार सीजन-2 के ग्रैंड फिनाले का मंच

- ग्रैंड फिनाले में 50 प्रतिभागी दिखाएंगे अपना हुनर, विजेताओं को मिलेगा एक लाख का ईनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

कौशिक नाट्य नृत्य अकादमी और चाणक्य कला मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता कल के कलाकार (सीजन-2) का ग्रैंड फिनाले 28 दिसंबर रविवार को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की भव्यता को देखते हुए आयोजकों ने एक विशेष समीक्षा बैठक की, जिसमें तैयारियों को अंतिम रूप दिया और स्वागत समिति को आवश्यक निर्देश जारी किए।

अकादमी के संस्थापक अध्यक्ष पवन कौशिक व मंच के निदेशक अनिल वत्स ने बताया कि ग्रैड फिनाले के लिए बीते दिनों हुई सेमीफाईनल मुकाबले में 50 प्रतिभागियों का चयन किया था, जो प्रतियोगिता में भागीदारी सुनिश्चित करेंगे तथा विजेता प्रतिभागियों को एक लाख रूपये तक के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न राज्यों की संस्कृति एक ही मंच पर देखने को मिलेगी। उकल के कलाकार का दूसरा सीजन पिछले साल की तुलना में कहीं अधिक भव्य होगा। निर्णायक मंडल और तकनीकी टीम को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि हर कलाकार को अपनी कला दिखाने का निष्पक्ष और बेहतरीन मंच मिले। कल के कलाकार सीजन-2 का ग्रैंड फिनाले 28 दिसंबर को सांस्कृतिक सदन में होगा और बतौर मुख्यतिथि उद्योगपति धर्मवीर ढिल्लों शिरकत करेंगे।

भिवानी। ग्रैंड फिनाले की तैयारी में जुटे आयोजक। फोटो : हरिभूमि

जीव जंतु कल्याण सेवा दल दुल्हेड़ी का बेजुबानों के प्रति अटूट प्रेम

101 गांवों में शुरू होगा भंडारा, 4 माह तक खिलाया जाएगा बेसहारा जानवरों को भोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अक्सर लोग अपनी खुशियों का जश्न बड़े-बड़े भंडारों और दावतों के साथ मनाते हैं, लेकिन भिवानी जिले के जीव जंतु कल्याण सेवा दल दुल्हेड़ी ने इंसानियत की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो समाज के लिए प्रेरणा बन गई है। आगामी एक जनवरी 2026 से जिले के 101 गांवों में बेसहारा और बेजुबान जानवरों के लिए एक विशाल अटूट भंडारा शुरू होगा, जो लगातार चार महीने तक जारी रहेगा। जिसमें गौ माताओं के लिए हरा चारा व गुड़, कुत्तों के लिए मीठे गुलगुले, बिस्कुट और खिचड़ी, पक्षियों के लिए तरह-तरह का अनाज, कीडऩाल पर मीठा भोजन, तालाब में मछलियों के लिए भी अलग से भोजन की व्यवस्था, बंदरों के लिए फूल-फ्रूट की व्यवस्था की जाएगी। सेवा दल के प्रधान मुरारी जांगड़ा ने बताया कि उनके जीवन में 31 दिसंबर का दिन बेहद खास है। इस दिन ना केवल उनका जन्मदिन होता है।

दुल्हेड़ी में गो चिकित्सालय का संचालन

प्रधान मुरारी जांगड़ा ने बताया कि यह अनोखा भंडारा पूरी तरह से आम जनमानस के सहयोग से आयोजित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य गांवों में सड़कों पर घूम रही बेसहारा गो माता और अन्य जीव-जंतुओं को पोष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। सेवा दल का मानना है कि यदि हर इंसान थोड़ा-थोड़ा योगदान दे, तो कोई भी पशु भूख से नहीं तड़पेगा। उन्होंने बताया कि जीव जंतु कल्याण सेवा दल केवल भोजन तक ही सीमित नहीं है। गांव दुल्हेड़ी में दल द्वारा एक गो चिकित्सालय का संचालन भी किया जा रहा है। यहां एक्सीडेंट में घायल हुई या बीमार गौ माताओं और अन्य वन्य जीवों (जैसे सांप, बंदर, पक्षी) का इलाज किया जाता है।

तोशाम में दो दुकानों के गलले से 30 हजार रुपये की नकदी चोरी

- सीसीटीवी में कैद हुई चोरी की वारदात में एक अज्ञात युवक नजर आया

तोशाम। बुधवार को तोशाम में दिनदहाड़े एक अज्ञात युवक ने एक दुकान के अंदर घुसकर गलले से करीबन 20 हजार रुपए चोरी कर लिए। तत्पश्चात आरोपी युवक रुपए चोरी करके कुछ ही क्षणों में वहां से रफू चक्कर हो गया। चोरी की यह घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। आरोपी युवक सीसीटीवी फुटेज में दुकान के गलले से रुपए चोरी करता हुआ नजर आ रहा है। इसकी शिकायत पीड़ित दुकानदार ने पुलिस को दी है। इसके अलावा मंगलवार शाम को भी एक अन्य दुकान के गलले से करीबन 10 हजार रुपए चोरी हो गए थे। तोशाम स्थित बत्रा ट्रेडिंग कंपनी के मालिक हितेश बत्रा ने बताया कि उसके घर के बाहर दुकान है और बुधवार को दोपहर करीबन 1 बजे वह किसी कार्य के लिए मात्र 2 मिनट के लिए घर के अंदर गया था इसी बीच मौका पाकर एक अज्ञात युवक दुकान के अंदर घुस गया और दुकान में रखे गलले से युवक करीबन 20 हजार रुपए चोरी करके रफू चक्कर हो गया। कुछ ही देर पश्चात जब उसने दुकान में आकर देखा तो दुकान के गलले से नकदी गायब थी यह देखते ही उसके होश उड़ गए तब उसने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली तो उसे सारा मामला समझ आया। क्योंकि सीसीटीवी फुटेज में एक अज्ञात युवक दुकान के गलले से रुपए चोरी करता हुआ दिखाई दिया आरोपी युवक ने पल भर में गलले से रुपए चोरी करके पहले तो अपनी शर्ट में छुपा लिए और बाकी बचे रुपए जाते हुए मुट्ठी भरकर चोरी कर ले गया और घटना को अंजाम देने के पश्चात पल भर में ही मौके से रफू चक्कर हो गया।

बवानी खेड़ा पुर रोड पर इंट्री-एक्जिट प्वाइंट न होने से लोगों में रोष

- विधायक व नपा प्रधान ने नितिन गड़करी को सौंपा था मांगपत्र

बवानीखेड़ा। भिवानी से हांसी तक बन रहे हाईवे मार्ग में बवानी खेडा 148बी पुर रोड़ पर इंट्री-एक्जिट प्वाइंट न होने से वाहन चालकों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए चार किलोमीटर अतिरिक्त वहन करना पड़ रहा है। जिससे किसानों, वाहन चालकों सहित आमजन को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी को लेकर बवानी खेड़ा, पुर, सिवाड़ा, कुंगड़ आदि के लोगों ने सड़क के मार्ग की समस्या को लेकर लिखित में विधायक कपूर वाल्मीकि व नपा प्रधान सुंदर अत्री को मांगपत्र सौंपा था। जिसमें बताया था कि एनएच 148 बी का निर्माण कार्य चल रहा है जो कि लगभग पूरा होने वाला है। यह रोड़ भिवानी से बवानी खेड़ा होते हुए हांसी तक जा रहा है। बवानी खेड़ा में पुर मार्ग पर एक रोड़ जो कि पुर, सिवाड़ा, कुंगड़ और कई अन्य गांवों में जाता है तथा एक अन्य रोड़ खेड़ी, अलखपुरा, बडसी, तालू सहित अन्य गांवों में जा रहा है जिसके बीचों बीच यह हाईवे गया है लेकिन इन दोनों रोड़ों को जोड़ने के लिए पुल के दोनों तरफ कच्ची सड़क दी गई है जिसमें गडढ़े हैं और ऊंची नीची है जिसके कारण आवागमन नहीं हो पा रहा है, साथ में इस रास्ते कई किसानों को भी दिक्कत हैं। मार्ग पर इंट्री-एक्जिट प्वाइंट न होने के कारण खासी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। संबंधित को अतिरिक्त 4 किलोमीटर का रास्ता तय करना पड़ता है। वहीं विधायक कपूर वाल्मीकि व नपा प्रधान सुंदर अत्री द्वारा भी इस समस्या को भांपते हुए परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी को मांगपत्र सौंपा था और परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी द्वारा भी संबंधित विभाग के पास भेजकर वास्तविक स्थिति बारे आदेश दिए थे।

कार्यक्रम

डीसी ने रात्रि ठहराव कार्यक्रम के तहत गांव सुई में सुनीं समस्याएं

लापहरवाही बरती तो होगा एक्शन

- ग्रामीणों की समस्याओं पर डीसी ने अधिकारियों को 15 दिन के अंदर-अंदर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार रात्रि ठहराव कार्यक्रम के तहत डीसी साहिल गुप्ता ने गांव सुई स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में अधिकारियों के साथ दरबार लगाया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनी।

अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे 15 दिन के अंदर अंदर ग्रामीणों द्वारा दी गई समस्याओं पर अपनी कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से न लेने वाले अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वहीं दूसरी ओर रात्रि ठहराव कार्यक्रम में मौजूद प्रवर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने ग्रामीणों से युवाओं को ड्रग्स आदि अन्य किसी भी प्रकार के नशे से बचाने की अपील की।

खुले दरबार में रखी अनेक मांग : रात्रि ठहराव कार्यक्रम में ग्रामीणों ने डीसी गुप्ता के समक्ष पानी निकासी के नालों की सफाई करवाने, गांव में अधूरी पड़ी फिरनी को पूरा करवाने, स्कूल के पास ढाई एकड़ से अधिक भूमि में बने जोहड़ की चार दिवारी बनवाने, जलघर के टैंकों का पुनर्निर्माण करवाने, खेल परिसर को दुरुस्त करवाने और वहां पर हॉल का निर्माण करवाने, सुई से दांग रास्ते पर फिरनी पर स्ट्रीट लाइट लगवाने, मकान मरम्मत के लिए सहायता राशि दिलवाने, आधार कार्ड बनवाने, पहचान पत्र बनवाने, असहाय एवं अनाथ बच्चों को आर्थिक सहायता प्रदान करवाने आदि विभिन्न मांगे रखी।

भिवानी। रात्री ठहराव के दौरान लोगों की शिकायतें सुनते हुए। फोटो : हरिभूमि

शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित

डीसी साहिल गुप्ता ने रात्रि ठहराव कार्यक्रम में शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। उन्होंने शहीद हवलदार रामेश्वर, शहीद सुबेदार निहाल सिंह और शहीद हवलदार रणसिंह के परिजनों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में डीएसपी महेश कुमार, डीडीपीओ सोमबीर कादयान, जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया, जिला खेल अधिकारी विद्यानंद यादव, एलडीएम विभूति पांडे, जिला समाज कल्याण अधिकारी रविंद्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और गांव के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सेहत
haribhoomi.com
हरिभूमि 12
रोहतक, गुरुवार
25 दिसंबर 2025

किसी गंभीर दुर्घटना या बीमारी के कारण कई बार हमारी स्पाइन विकारग्रस्त हो जाती है। इसके ट्रीटमेंट में वेसलप्लास्टी तकनीक काफी प्रभावी सिद्ध हो रही है। इसकी विशेषताओं के बारे में एक्सपर्ट डॉ. यहां विस्तार से बता रहे हैं।

स्पाइन की कई समस्याओं से छुटकारा दिलाए वेसलप्लास्टी

ट्रीटमेंट
डॉ. सुदीप जैन
डायरेक्टर-स्पाइन सॉल्यूशंस इंडिया
नारायणा विहार, नई दिल्ली

रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) से संबंधित कई समस्याओं के इलाज में वेसलप्लास्टी तकनीक, पीड़ितों के लिए नई उम्मीद की तरह विकसित हुई है। मौजूदा दौर में आमतौर पर पीड़ित व्यक्ति 'ओपन सर्जरी' से बचते हुए ऐसी सर्जरी कराने का इच्छुक रहता है, जिसमें कम से कम ऑपरेशन हो और जो सुरक्षित भी हो, इस कसौटी पर वेसलप्लास्टी खरी उतरती है।

वेसलप्लास्टी की जरूरत: तंत्रिका तंत्र का एक अभिन्न भाग रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) आपके शरीर को भी एक आकार प्रदान करती है, लेकिन कई बार दुर्घटनाओं या फिर बीमारियों के कारण जब यह विकारग्रस्त हो जाती है, तब कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इन समस्याओं के संदर्भ में 'स्पाइनल कॉलम' और 'बर्टिब्रा' के बारे में जानना जरूरी है। गौरतलब है की रीढ़ की हड्डी की गर्दन से लेकर कमर के निचले भाग तक की पूरी संरचना को 'स्पाइनल कॉलम' कहा जाता है। इसी तरह रीढ़ की हड्डी में अनेक कशेरूकाएं (वर्टिब्रा) होती हैं, जिन्हें 'वर्टिब्रल बोन' कहा जाता है, जिनसे रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) बनती है।

संभव हैं ये दुष्प्रभाव: सड़क दुर्घटनाओं के अलावा आघात या चोट लगने, ऊंचाई से गिरने, ऑस्टियोपोरोसिस (जरा-सा आघात लगने पर हड्डियों का टूट जाना या फ्रैक्चर होना) की समस्याएं, हड्डियों से संबंधित टीबी (बोन टीबी), रीढ़ की हड्डी में पस पड़ जाना और बोन कैंसर आदि के कारण 'वर्टिब्रल बोन' क्षतिग्रस्त या विकारग्रस्त हो सकती हैं। आमतौर पर ऐसी समस्याएं तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) की कार्यप्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। इनमें ये समस्याएं शामिल हैं-

- शारीरिक संतुलन स्थापित करने में दिक्कत।
- किसी भी तरह की संवेदना का एहसास करने में परेशानी।
- कई मामलों में मल और यूरिन पर नियंत्रण स्थापित न कर पाना।
- पक्षाघात या लकवा होने का जोखिम।

तकनीक की प्रक्रिया: वेसलप्लास्टी तकनीक की प्रक्रिया के अंतर्गत मरीज को 'लोकल एनेस्थीसिया' दिया जाता है और फिर इसके बाद उसके विकारग्रस्त या फ्रैक्चर्ड 'वर्टिब्रल बोन' के अंदर एक सूक्ष्म सुई डाली जाती है। इस सुई के आगे के भाग पर एक गुब्बारा (बैलून) लगा होता है। यह बैलून विकारग्रस्त 'वर्टिब्रल बोन' की विकृतियों को समाप्त कर देता है। इस प्रक्रिया के बाद इस बैलून में 'बोन सीमेंट' को भरते हैं, जिसके परिणामस्वरूप 'वर्टिब्रल बोन' के विकारों (डिफेक्ट्स) को दूर किया जाता है। बोन सीमेंट लगभग 15 मिनट के बाद वर्टिब्रल बोन पर अपना प्रभाव छोड़ती है। गौरतलब है कि बोन सीमेंट का शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है।

वेसलप्लास्टी की विशेषताएं: यह तकनीक अपनी कुछ विशेषताओं के कारण अपनाई जा रही है।

- इस तकनीक को अपनाने से मरीज की ओपन सर्जरी करने की जरूरत नहीं पड़ती। एक छोटे से चीरे से इस तकनीक की प्रक्रिया को अंजाम दिया जाता है।
- संक्रमण का खतरा कम रहता है।
- कम से कम रक्तस्राव होता है।
- मरीज अतिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ करता है।
- रीढ़ की हड्डी की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए वेसलप्लास्टी के अलावा जो अन्य सर्जिकल प्रोसीजर अपनाएं जाते हैं, उनमें मरीज के विकारग्रस्त वर्टिब्रल बोन में इंप्लांट्स डालने की जरूरत पड़ती है, लेकिन वेसलप्लास्टी में इंप्लांट्स डालने की जरूरत नहीं होती है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

हेल्थ सजेशन
डॉ. मोनिका शर्मा

आमतौर पर लोग अपनी फिजिकल हेल्थ पर तो ध्यान देते हैं लेकिन ब्रेन हेल्थ को इग्नोर करते हैं। जबकि ब्रेन हेल्थ हमारी पूरी मेंटल हेल्थ को कंट्रोल करता है। इसलिए यह जानना बहुत जरूरी है कि ब्रेन हेल्थ के लिए किन बैड हैबिट्स को छोड़ना और किन गुड हैबिट्स को अपनाना चाहिए। इस बारे में हम दे रहे हैं आपके लिए बहुत यूजफुल सजेशंस।

आपका ब्रेन हेल्थ रहेगा परफेक्ट लाइफस्टाइल में करें ये बदलाव

आमतौर पर अच्छे खान-पान से लेकर फिजिकल एक्टिविटी तक, सब कुछ शरीर की अच्छी सेहत से जोड़कर देखा जाता है। नींद और आराम को भी शरीर की थकान उतारने का ही जरिया माना जाता है। जबकि जीवनशैली से जुड़ी यही बातें हमारे ब्रेन हेल्थ को भी गहराई से प्रभावित करती हैं। असंतुलित आहार हो या प्रकृति से दूरी, आराम करने में की गई कोताही हो या नकारात्मक विचारों का घेरा, मस्तिष्क के स्वास्थ्य पर भी दुष्प्रभाव डालते हैं। ऐसी ही कुछ बातों का ध्यान रखने से दुरुस्त रहेगा ब्रेन हेल्थ।

शारीरिक सक्रियता

फिजिकल एक्टिविटी केवल शरीर का मोटापा काबू में रखने में ही नहीं, ब्रेन फॉग से बचाने में भी मददगार बनती है। व्यायाम चाहे किसी भी रूप में किया जाए, शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार लाने के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर भी पॉजिटिव प्रभाव डालता है। नियमित शारीरिक एक्टिविटीज करना अवसाद और चिंता से बचाने वाली जीवनशैली से जोड़ता है। शारीरिक व्यायाम की मनोदशा सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका है। शारीरिक सक्रियता से शरीर को एंडोर्फिन हार्मोन मिलता है। यह हार्मोन शरीर का नेचुरल मूड लिफ्टर है। यही वजह है कि शारीरिक रूप से सक्रिय रहना ओवरथिंकिंग और नेगेटिविटी पैदा करने वाले विचारों से भी दूर रखता है। ये दोनों ही बातें दिमागी सेहत की बेहतरी से भी जुड़ी होती हैं।

संतुलित आहार

हमारे यहां तो कहा ही गया है कि 'जैसा खावें अन्न, वैसा हो मन।' हर आयुवर्ग के लोगों पर यह बात लागू होती है। समझना जरूरी है कि मन से ही मस्तिष्क भी जुड़ा है। ऐसे में हमारा भोजन शरीर ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है। फलों-सब्जियों से भरपूर संतुलित आहार तो भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना गया है। ऐसी सुपाच्य चीजें बॉडी को भी सही पोषण देती हैं। वहीं खराब फूड हैबिट्स दिमाग से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाती हैं। अस्वास्थ्यकर भोजन किसी काम पर फोकस ना कर पाना, सुस्ती, घबराहट और चिड़चिड़ेपन जैसी भावनाओं को बढ़ाता है। अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड, फास्ट फूड और शुगर युक्त ड्रिंक्स के सेवन से अवसाद और चिंता का जोखिम भी बढ़ता है। पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन जर्नल में छपे अध्ययन के मुताबिक नियमित रूप से फास्ट फूड का सेवन करने वाले लोगों में अवसाद विकसित होने की संभावना 51 प्रतिशत ज्यादा होती है। असल में प्रोसेस्ड फूड्स में शामिल शुगर और नमक की अधिक क्वांटिटी वाले फूड प्रोडक्ट्स बहुत स्वादिष्ट लगते हैं। इससे ना केवल इन्हें रेगुलर खाने की लत लग जाती है बल्कि ऐसे फूड प्रोडक्ट्स बॉडी में हार्मोनल और न्यूरो बायोलॉजिकल बदलाव का भी कारण बन सकते हैं। मौजूदा जीवनशैली में अत्यधिक नमक का सेवन याददाश्त और इंटेलिजेंस को कमजोर करने का अहम कारण माना जा रहा है। इसीलिए फिजिकल फिटनेस के लिए ही नहीं दिमाग की सेहत दुरुस्त रखने के लिए भी हेल्दी फूड्स का सेवन करना आवश्यक है।

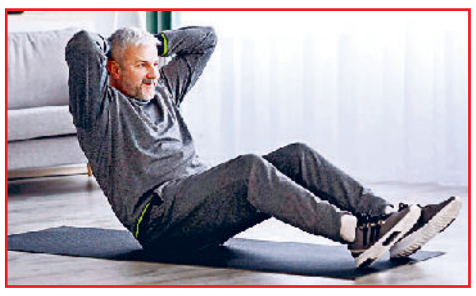

कुदरत से नजदीकी

आज के दौर में तकनीकी उपकरणों संग सीमित दायरे में बीत रहा समय हमें प्रकृति से दूर कर रहा है। प्रकृति के संपर्क में कमी को 'स्नेचर डेफिसिट डिसऑर्डर' कहा जाता है। यह डिसऑर्डर शरीर ही नहीं दिमाग की सेहत बिगाड़ने वाला भी है। समझना जरूरी है कि हरे-भरे परिवेश में सैर, योग या जॉगिंग करना शरीर को ही नहीं दिमाग को भी दुरुस्त रखता है। देखने में आता है कि अब फिजिकल एक्टिविटीज भी इंडोर ही की जाती हैं। घर-दफ्तर तो प्राकृतिक जुड़ाव से दूर हैं ही। ऐसे में इरादतन नेचर के करीब रहने का प्रयास किया जाना चाहिए। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के मुताबिक सप्ताह में कम से कम दो घंटे प्रकृति के करीब बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों बेहतर हो सकते हैं। हरे-भरे वातावरण में रहने से कोग्निटिव हेल्थ सुधरती है। रचनात्मक सोच बढ़ती है। मन प्रसन्न रहता है। मस्तिष्क ठहराव और सुकून महसूस करता है। ऐसी सभी बातें दिमाग को सक्रिय और स्वस्थ रखती हैं।

नींद और आराम भी जरूरी

किसी भी काम, भागदौड़ या बिजी रुटीन के बाद शरीर की थकान कम करने के लिए अच्छी नींद लेने को कहा जाता है। हम सब समझते हैं कि यह फिजिकल थकान आराम करने से ही जाएगी। लेकिन यही बात दिमाग की थकान को लेकर नहीं सोची जाती। घंटों काम करने के बाद भी मन-मस्तिष्क को आराम नहीं दिया जाता। जबकि अच्छी नींद शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। मूड को बेहतर करने के लिए ही नहीं डिसट्रेक्शन घटाने के लिए भी पर्याप्त नींद लेनी ही चाहिए। स्पष्ट देखा जा सकता है कि आज की आपाधापी भरी जीवनशैली में नींद की कमी भी अवसाद, चिंता और दूसरी मानसिक समस्याओं को बढ़ावा दे रही है। इतना ही नहीं ठीक से नींद ना लेना, स्ट्रेस मैनेजमेंट की क्षमता पर भी दुष्प्रभाव डाल रहा है। शुरुआत में सही रुटीन बनाने और अच्छी नींद लेने की अहमियत नहीं समझी जाती और बाद में इंसान बाकायदा अनिद्रा की समस्या के घेरे में आ जाता है। गौरतलब है कि अवसाद के शिकार 90 प्रतिशत तक लोग अनिद्रा यानि इनसोमनिया की शिकायत करते हैं। असल में नींद की कमी से कोर्टिसॉल हार्मोन का लेवल बढ़ता है। ऐसे में समय पर सोने-जागने की दिनचर्या ना केवल तनाव और बेचैनी बढ़ाने वाले कोर्टिसॉल हार्मोन को नियंत्रित रखती है, बल्कि इमोशनल बैलेंस बनाए रखने में भी मदद करती है। *

हेल्थ न्यूज

यंगस्टर्स में बढ़ती इंफर्टिलिटी पॉसिबल है ट्रीटमेंट

आजकल पुरुषों में बांझपन यानी इंफर्टिलिटी तेजी से बढ़ रहा है। इसकी बड़ी वजह है बदलती जीवनशैली, तनाव, लंबे समय तक काम करना और प्रदूषण। डॉक्टरों का कहना है कि 30-35 साल के पुरुषों में यह समस्या सबसे ज्यादा देखी जा रही है। इस बारे में मदरहुड फर्टिलिटी एंड आईवीएफ सेंटर के फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट **डॉ. मंदावी राय** के अनुसार, 'पिछले कुछ सालों में, खासकर 30-35 साल के पुरुषों में बांझपन बहुत बढ़ रहा है। तनाव वाला काम, देर तक बैठकर काम करना, नाइट शिफ्ट और अनियमित डाइट हैबिट से स्पर्म की संख्या, उसकी गति और उसका आकार प्रभावित होता है। इनके अलावा हार्मोन का बिगड़ना और यौन इच्छा कम होना, पुरुषों में फर्टिलिटी बढ़ने की आम वजहें हैं। कई पुरुष इस बात को समझ नहीं पाते कि शराब, सिगरेट, टाइट ड्रेस, लैपटॉप की गर्मी और कम नींद, स्पर्म को काफी कमजोर कर देते हैं। सबसे चिंता की बात यह है कि बहुत कम पुरुष खुद से फर्टिलिटी चेकअप करवाने आते हैं। अगर समय पर चेकअप करवाएं और लाइफस्टाइल सुधारा जाए तो ज्यादातर समस्याओं का इलाज आसानी से हो सकता है।'

दिल्ली स्थित नोवा आईवीएफ सेंटर की **डॉ. पारुल गुप्ता खन्ना** कहती हैं, 'आज की लाइफस्टाइल का पुरुषों की फर्टिलिटी पर सीधा असर पड़ रहा है। तनाव, देर रात मोबाइल का उपयोग करना और शराब, सिगरेट का सेवन करना भी इसके कारण हैं। अच्छी नींद, डेली व्यायाम, हेल्दी फूड्स और सही सप्लीमेंट्स का सेवन करें तो सेहत में सुधार आ सकता हैं। जब पुरुष अपनी डाइट सुधारते हैं, शरीर को गर्मी से बचाते हैं और तनाव कम करते हैं, तो स्पर्म कुछ ही महीनों में बेहतर हो जाते हैं। लेकिन सप्लीमेंट्स बिना डॉक्टर की सलाह के कभी नहीं लेने चाहिए। शराब और सिगरेट से दूर रहें और सबसे जरूरी सालों तक इंतजार न करें नियमित जांच करवाएं।' *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

डाइट एडवाइस
राजकुमार 'दिनकर'

सर्दी के मौसम में हेल्दी बने रहने के लिए आपको अपनी डाइट पर पूरा ध्यान देना चाहिए। इस दौरान आप अपनी डाइट में क्या शामिल कर सकते हैं, बता रहे हैं डिटेल में।

इनका करें नियमित सेवन इस मौसम में रहेंगे हेल्दी

सर्दी का मौसम अपने साथ बहुत सी समस्याएं लेकर आता है। वायरल इंफेक्शन, धीमी पाचनक्रिया, सर्दी-जुकाम, खांसी, रूखी त्वचा, धूप कम होने से लगातार ठंड लगना, कमजोर प्रतिरोधक क्षमता, हृदय रोगियों के लिए कई तरह के खतरे, लगातार ठंड के कारण मनोदशा में उतार-चढ़ाव। सर्दी के साथ इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रकृति प्रदत्त अनेक खाने की चीजें फल, हरी सब्जियां, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ हमें मिलते हैं। सर्दी के मौसम में अगर हमें स्वस्थ रहना है तो प्रोसेस्ड फूड की बजाय, मौसमी फल, सब्जियों के सेवन से अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ अपनी ऊर्जा और मनोदशा में भी स्थिरता ला सकते हैं।

मौसमी फल: सर्दी के मौसम में अमरूद, कीवी, सेब, अनार, केला, संतरे, मौसंबी, पपीता और भी कई तरह के रसीले फल जो एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, इनका खूब सेवन करना चाहिए। ये हमारे त्वचा के सौंदर्यवर्धन करने के साथ-साथ हमारी पाचनक्रिया को दुरुस्त करते हैं और शरीर को संक्रमण से लड़ने के लिए तैयार करते हैं।

साबुत अनाज: मोटे और साबुत अनाजों को खाने और पचाने के लिए सर्दी का मौसम सबसे उपयुक्त होता है। ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, सोयाबीन, जई, जैसे पारंपरिक भारतीय अनाज को हम रोटी के रूप में या इनके खिचड़ी, दलिया, बनाकर उन्हें मेवों के साथ भी खा सकते हैं। ये अनाज हमारे शरीर को गर्मी देने के साथ-साथ पाचनक्रिया को दुरुस्त करते हैं और ऊर्जा के स्तर में भी सुधार करते हैं। ग्लूटेन फ्री ये मोटे अनाज सर्दियों में बढ़ने वाले वजन को भी नियंत्रित रखते हैं।

गुड़ और इससे बने व्यंजन: सर्दी के मौसम में हम भरपूर मात्रा में पिस्ता, बादाम, अंजीर, किशमिश जैसे सूखे मेवों और खरबूजें, तरबूज, अलसी, तिल, जैसे कई और बीजों का सेवन करके अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। इस मौसम में चीनी को दरकिनार करके गुड़ और गुड़ से बने ड्राइफ्रूट्स के लड्डु और मीठे खाद्य पदार्थ न केवल हमारी पाचनक्रिया को दुरुस्त करते हैं, हमें ठंड से भी बचाते हैं। शरीर में आयरन की कमी को भी पूरा करते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां: सर्दी के मौसम में मौसमी सब्जियां, भरपूर मात्रा में उपलब्ध होती हैं। शकरकंद, पालक, मेथी, सरसों, बथुआ, मूली, चुकंदर, शलजम, गाजर, सोया साग, गांठ गोभी, जैसी सब्जियां प्राकृतिक रूप से खनिज लवणों से भरपूर होती हैं। गर्म तासीर वाली इन सब्जियों में आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फाइबर, बीटा कैरोटीन, विटामिन के और महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो रक्त में हिमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाकर शरीर में आयरन की कमी पूरा करते हैं। हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। पाचनक्रिया में सुधार करके आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं।

गर्म पेय पदार्थ: अदरक, लहसुन, कालीमिर्च, दालचीनी, हल्दी, अजवाइन और तुलसी सर्दी के मौसम में हमें विशेष तौर पर ठंड से बचाते हैं। ठंड लगने पर तुलसी, सौंफ और दूसरे मसालों से बनी चाय हमें राहत दिलाती है। संक्रमण से बचाकर हमारे फेफड़ों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। हल्दी वाला दूध, सब्जियों के सूप, शोरबा, गर्म पानी और काढ़ा, शरीर को ठंड से बचाते हैं। सर्दियों में गाजर, टमाटर, मिक्स सब्जियों का सूप भी हमें कब्ज से निजात दिलाकर हमारी पाचनक्रिया को दुरुस्त रखता है। इसलिए सर्दी के इस मौसम का भरपूर फायदा उठाएं और यहां बताए गए फूड आइटम्स का सेवन करें। इससे आप पूरे सर्दी के मौसम में हेल्दी बने रहेंगे। *

सजेशन
दिव्यज्योति 'नंदन'

सुबह धूप में करें योगाभ्यास ऊर्जावान रहेगा तन-मन

वैसे तो सुबह या शाम को योगाभ्यास करना फायदेमंद होता ही है। लेकिन अगर इसे आप सर्दी के मौसम में सुबह की धूप में करें तो यह और भी लाभकारी सिद्ध होता है। तन-मन को भरपूर ऊर्जा मिलती है। इस बारे में विस्तार से जानिए।

सर्दियों की सुबह-सुबह व्यायाम महज व्यायाम नहीं होता बल्कि यह शरीर में लय, मन में शांति और आत्मा को प्रकाश से नहलाने का उपक्रम होता है। सूर्य को जीवन ऊर्जा का स्रोत कहा जाता है। इसलिए प्राचीन भारतीय ग्रंथों में सूर्योपासना और सूर्य नमस्कार का विशेष महत्व वर्णित है।

इसलिए है लाभदायक: सुबह की धूप में व्यायाम या योगा करने से शरीर को प्राकृतिक रूप से विटामिन-डी हासिल होती है। वास्तव में सुबह की धूप, विशेषकर सूर्योदय के बाद पहले 30 से 60 मिनट तक की धूप विटामिन-डी से भरपूर होती है और धरती पर इंसान के लिए यह विटामिन-डी का सबसे बड़ा स्रोत भी होती है। यह धूप शरीर में कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाती है, जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं। जोड़ों का दर्द या गठिया जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। इसलिए सर्दियों की सुबह की धूप में योगा करना बहुत फायदेमंद होता है। इस दौरान शरीर से निकला हुआ पसीना शरीर को डिटॉक्स करता है।

रक्त संचार-ऑक्सीजन पूर्ति बेहतर: सर्दियों की सुबह धूप में किए गए योगा से शरीर की रक्तवाहिनियां फैलती हैं, जिस कारण शरीर में रक्त का संचार बेहतर होता है और इससे शरीर के कोने-कोने तक ऑक्सीजन की ज्यादा मात्रा पहुंचती है। नतीजतन शरीर न केवल प्रसन्न और ऊर्जा से भरा-पूरा होता है बल्कि इस दौरान हमारा मस्तिष्क सर्वाधिक सक्रिय और मन बेहद एकाग्र रहता है। यह विशेष रूप से प्राणायाम और सूर्य नमस्कार के चलते लाभदायक साबित होता है। जब श्वास और प्रकाश का मेल शरीर के हर कोने को जीवंत कर देता है, तब शरीर में रक्त संचार और ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ जाती है।

बेहतर होता है हार्मोनल संतुलन: सर्दियों में सुबह-सुबह की धूप में योगा करने से हमारे शरीर का हार्मोनल संतुलन बेहतर होता है, जिस कारण हमें मानसिक शांति मिलती है। सुबह के समय की धूप में जो नीली और लाल रोशनी की तरंगें मौजूद होती हैं, वे मस्तिष्क के सेरोटोनिन और मेलाटोनिन हार्मोन को संतुलित करते हैं। सेरोटोनिन हार्मोन शरीर के मूड को बेहतर बनाता है, जबकि मेलाटोनिन हार्मोन हमारी नींद को नियमित करता है। जब हम सर्दियों की रात में भरपूर आरामदायक नींद लेते हैं, तो शरीर के सभी अंग स्वस्थ और ऊर्जावान होते हैं। जो लोग सुबह-सुबह की धूप में योग करते हैं, उन्हें तनाव, चिंता और अवसाद से राहत मिलती है। ऐसे लोग दिन भर अपनी एकाग्रता और सकारात्मकता बनाए रहते हैं। साथ ही रात को गहरी और स्वाभाविक नींद हासिल करते हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली होती है मजबूत: सर्दियों और संक्रमण के मौसम में सुबह-सुबह की धूप के दौरान योगा करना उसी तरह काम करता है, जैसे शरीर के लिए प्राकृतिक वैक्सीन काम करती है। सुबह की धूप से शरीर में श्वेत रक्त कणिकाएं सक्रिय होती हैं, जो वायरस और बैक्टीरिया से लड़ती हैं। सुबह की धूप के समय किए गए कुछ आसन जैसे भस्त्रिका, कपालभाती और धनुरासन शरीर की ऊष्मा बढ़ाते हैं, इससे शरीर में ठंड लगने और एलर्जी समस्याएं बहुत कम होती हैं।

आंखों के लिए भी लाभदायक: सुबह की कोमल धूप के बीच किए गए योगासनों का लाभ हमारी आंख और देखने की क्षमता को भी मिलता है। सुबह की कोमल रोशनी में आंखें खोलकर किया गया त्राटक योग देखने की क्षमता को तो बढ़ाता है।

मानसिक ऊर्जा का स्रोत: सुबह की धूप में जब हम योग करते हैं तो प्रकृति का हर तत्व- हवा, प्रकाश, पक्षियों का चहचहाना और मिट्टी की गंध हमारे जीवन में ताजगी का एहसास कराती है। यह वातावरण हमारे मन और उत्साह को लबालब कर देता है। इससे आत्मविश्वास भी बढ़ने लगता है। *

खबर संक्षेप

टैगोर में तुलसी दिवस व क्रिसमस–डे मनाया

महेंद्रगढ़। टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में तुलसी दिवस एवं क्रिसमस–डे कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण तथा आपसी भाईचारे और प्रेम की भावना को विकसित करना रहा। विद्यालय परिसर में तुलसी पूजन किया गया तथा विद्यार्थियों ने तुलसी के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। शिक्षकों ने बताया कि तुलसी न केवल हमारी संस्कृति का प्रतीक है, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है।

नेशनल मॉडल स्कूल में वीर बाल दिवस मनाया

महेंद्रगढ़। नेशनल मॉडल स्कूल में वीर बाल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने कहा कि हमारे लिए बड़े खेद का विषय है कि 300 वर्ष पहले की इस असामान्य घटना को हमने भुला दिया। हमें अपने गौरवशाली इतिहास की जानकारी होनी चाहिए। पौष मास की षष्ठी तिथि से लेकर त्रयोदशी तिथि तक गुरु दशमेश के चारों पुत्रों का बलिदान देश धर्म की रक्षा करते हुए हुआ। गुरु गोविंद सिंह के दो बेटे चमकौर के युद्ध में शहीद हुए तथा दो बेटे दीवार में चिनवा दिए गए।

एसडी स्कूल ककराला में तुलसी पूजन समारोह

कनीना। एसडी विद्यालय ककराला में बुधवार को तुलसी पूजन दिवस का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षकों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। तुलसी का पूरी श्रद्धा व भक्ति के साथ पूजन किया गया। विद्यालय के चेयरमैन जगदेव सिंह यादव ने विद्यार्थियों को तुलसी औषधीय, धार्मिक और पर्यावरणीय लाभ की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था, नैतिक मूल्यों व संस्कारों का भाव जागृत हुआ है।

बचपन प्ले स्कूल में किया तुलसी पूजन

महेंद्रगढ़। बचपन प्ले स्कूल में बुधवार को तुलसी पूजन दिन एवं बड़ा दिन मनाया गया। उधर विद्यालय की दूसरी ब्रांच किड्स गार्डन प्ले स्कूल में भी तुलसी पूजन एवं बड़ा दिन मनाया गया। जिसके मुख्य अतिथि विद्यालय संस्थापक शेरसिंह सैनी थे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय स्टाफ एवं बच्चों द्वारा तुलसी माता की विधिवत पूजा- अर्चना और आरती की गई तथा बच्चों को बड़ा दिन के बारे में बताया गया। चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि तुलसी की पूजा करने से माता लक्ष्मी और विष्णु दोनों ही प्रसन्न होते हैं।

देवयानी स्कूल में मनाया क्रिसमस–डे पर्व

महेंद्रगढ़। देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल के बच्चों ने क्रिसमस–डे मनाया। बच्चों ने सांता क्लॉज का रूप धारण कर मिठाई और उपहार भेंट किए। दूसरी कक्षा से आयशा, प्रियांशी यादव, भावी राव, जिया यादव, वंशिका, माही राव, सनाया, जिया, अनिका, हनिका यादव, आरजू राव और पूर्वी यादव ने आई है रात क्रिसमस की गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। पार्थ, दक्ष, पियूष, रोहित शर्मा, डॉयल शर्मा, मनन राव, दक्ष, भावेश, रियान, सारांश, यक्षित, देवांक, चिराग राव ने ग्रुप डांस किया।

प्रख्यात शिक्षाविद् व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व डीन डॉ. जेएस यादव को किया याद

वैज्ञानिक डॉ. जेएस यादव की स्मृति में 10वीं और 12वीं में टॉपर विद्यार्थियों को दी प्रेरणा स्कॉलरशिप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रख्यात शिक्षाविद् एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व डीन डॉ. जेएस यादव की स्मृति में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नीरपुर में बुधवार प्रेरणा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ जेएस यादव मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रेरणा स्कॉलरशिप दी गई। शिक्षा व समाजसेवा के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने पर डॉ संजय शर्मा व सुश्री कांता गांधी को प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने क्विज और भाषण के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ विश्वेश्वर कौशिक मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता प्राचार्य सत्यपाल यादव ने की। पूर्व प्राचार्य मदन गोपाल विशिष्ट अतिथि थे। गौरतलब है कि पर्यावरणविद्ध डॉ जेएस यादव की स्मृति में प्रतिवर्ष गांव नीरपुर में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 10वीं कक्षा में व 12वीं कक्षा के तीनों संकायों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले छात्रों को प्रेरणा स्कॉलरशिप दी जाती है। इसके अलावा सामाजिक कार्यो व उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रतिवर्ष प्रेरणा पुरस्कार भी दिया जाता है।

नारनौल। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करते मुख्यातिथि व अन्य।

शिक्षा से होता है हर अंधेरा दूर

डॉ विश्वेश्वर कौशिक ने कहा कि शिक्षा वह प्रकाश है जो जीवन से हर तरह के अंधेरे को दूर करता है। स्व. डॉ. जेएस यादव ने जीवन भर शिक्षा का प्रचार और प्रसार किया तथा बच्चों के साथ युवाओ का भी मार्गदर्शन किया। नीरपुर जैसे छोटे से गांव से निकलकर विश्व भर में विज्ञान के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले डॉ. जेएस यादव के जीवन से बच्चों को प्रेरणा लेनी चाहिए तभी प्रेरणा दिवस का आयोजन सफल होगा। उन्होंने कहा कि डॉ.यादव ने विज्ञान और शिक्षा के अलावा सामजसेवा के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान कायम की। उनका प्रयास था कि विज्ञान आम आदमी तक पहुंचे तभी देश उन्नति करेगा।

छात्रों की करते थे मदद

ट्रस्ट के प्रधान डॉ अतुल यादव ने अपने संबोधन में कहा कि डा.जेएस यादव कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले दक्षिणी हरियाणा के सभी विद्यार्थियों के सरंक्षक थे। उनके आवास से लेकर फीस व खाने तक की समस्याओं का वो हमेशा ध्यान रखते थे और उनका समाधान करते थे। इस मौके पर डॉ सुरेश कुमारी, साहित्यकार रघुविन्दर यादव, पार्षद प्रतिनिधि सुमेर कांडा, नम्बरदार असीम यादव, योगेश यादव, कप्तान हरिसिंह, प्राध्यापक नीतू यादव, मंजू यादव, कुलदीप शर्मा, प्रतिभा, रजनी, सुदेश, संगीता, सुमन, राजबाला, उर्मिला, शशि बाला, कविता, सुनीता, सुरेश, सुरेंद्र, पुष्पा, विक्रम सिंह, ममता आदि अध्यापकगण भी उपस्थित थे।

डॉ. संजय शर्मा व प्राचार्य कांता गांधी को मिला प्रेरणा पुरस्कार

कार्यक्रम में शिक्षा व समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने के लिए अध्यापक डॉ संजय शर्मा व नेत्रहीन कन्या विद्यालय की प्राचार्य कांता गांधी को स्मृति चिन्ह व शाल ओढाकर प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कक्षा 10वीं कक्षा की निशा, योगेश, सुमित, निधि, महिमा व निशु, कक्षा बारहवीं में आर्ट्स में निधि, रिया, रचना व अन्नू सैनी, मोनिका, दीपिका, मुस्कान, कॉमर्स में सुमित, रवि व दीपक, पायल, हरीश, पायल, विज्ञान संकाय में यश कुमार, महक, खुशी व सुषमा को परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रेरणा स्कॉलरशिप दी गई। क्विज प्रतियोगिता में सुखदेव हाउस प्रथम व भगत हाउस द्वितीय व राजगुरु हाउस तृतीय स्थान पर रहा।

सुभाष पार्क से लेकर लघु सचिवालय तक नारेबाजी की

पंचायतों में कार्यरत सीपीएलओ ने किया मांगों को लेकर प्रदर्शन

आंदोलनकारियों ने एसडीएम अनिरुद्ध यादव को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा पंचायत कंप्यूटर ऑपरेटर संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ जिला इकाई के बैनर के नीचे जिले की ग्राम पंचायतों में कार्यरत सभी सीपीएलओ कर्मचारी नेताजी सुभाष पार्क में एकत्रित हुए। इसके बाद भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष आशीष गोरा की अध्यक्षता में प्रदर्शन करते हुए सिंघाना रोड, महावीर चौक, महेंद्रगढ़ रोड़ से होते हुए लघु सचिवालय में पहुंचे। जहां एक आम सभा का आयोजन किया गया। इसा अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुए भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष आशीष गोरा ने कहा कि सरकार सीपीएलओ कर्मचारियों को अकेले ना समझे, भारतीय मजदूर संघ से सम्बंधित सभी संगठन सीपीएलओ कर्मचारियों के साथ खड़े हैं, सरकार जल्द से जल्द इनकी मांगों को पूरा करें।

इस अवसर पर हरियाणा पंचायत कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के जिला अध्यक्ष देवेश ने कहा कि कर्मचारियों में सरकार के प्रति रोष पनप रहा हैं। रोष का बड़ा कारण कई बार सरकार द्वारा आश्वासन देने के बाद भी सरकार ने कोई संज्ञान नहीं लिया। इन कर्मचारियों का वेतन मात्र छह हजार प्रति महीना है। जिससे इनके परिवार का गुजर बसर नहीं हो पा रहा है और इन कर्मचारियों के परिवारों की हालत दयनीय हो गई है। पंचायत कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के जिला मंत्री चरण सिंह ने बताया कि सीपीएलओ का मासिक वेतन कभी भी समय पर नहीं मिलता है। जिसके कारण कर्मचारियों को आर्थिक शोषण के साथ-साथ सामाजिक हीन भावना भी झेलनी पड़ रही है। अन्त में सीपीएलओ की सभा स्थल पर एसडीएम अनिरुद्ध यादव ज्ञापन लेने के लिए पहुंचे। कर्मचारियों के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। ज्ञापन लेने उपरांत एसडीएम ने कर्मचारियों को आश्वासत किया गया कि मांग पत्र बिना किसी देरी के सरकार के पास भेज दिया जाएगा। इस मौके पर भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री हरकेश, जिला कोषाध्यक्ष भूपेश पालीवाल, जिला कमेटी सदस्य कर्मबीर जाखड़ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नारनौल। प्रदर्शन करते कर्मचारी व एसडीएम अनिरुद्ध यादव को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

> कर्मचारियों का वेतन मात्र छह हजार रुपये प्रति महीना है, जिससे इनके परिवार का गुजर बसर नहीं हो पा रहा। यह मामूली वेतन भी कभी समय पर नहीं मिलता।

यह हैं मुख्य मांगें

सीपीएलओ की जिम्मेदारी पूर्ण रूप से पंचायत विभाग व शहरी सीपीएलओ की जिम्मेदारी शहरी स्थानीय निकाय को सौंपी जाए, ताकि कार्य व प्रशासनिक नियंत्रण में स्पष्टता बनी रहे। टेक्निकल पोस्ट के समान बेसिक वेतनमान, अन्य सभी सरकारी सुविधाएं व भत्ते उपलब्ध करवाए जाएं। सीपीएलओ का मासिक वेतन प्रत्येक माह की सात तारीख तक सुनिश्चित रूप से प्रदान किया जाए। मार्च 2024 से लेकर 31 मार्च 2025 तक सीपीएलओ के बकाया वेतनमान का पूरा भुगतान किया जाए।

यह हुए प्रदर्शन में शामिल

प्रदर्शन में हरियाणा पंचायत कंप्यूटर ऑपरेटर संघ जिला महेंद्रगढ़ के उपाध्यक्ष धर्मबीर व ममता, जिला सहमन्त्री पुष्पा, कोषाध्यक्ष विजयपाल, सहकोषाध्यक्ष दिनेश जांगिड़, संगठन मंत्री विपिन चन्द्रपाल, प्रेस सचिव नवनीत, इन्द्रसिंह, अंकिता, रिया, कुसुम, अशोक कुमार, विनीत कुमार, प्रदीप कुमार, नीरज, चन्द्र प्रकाश, सुनील कुमार, अभिषेक आदि सहित सैकड़ों सीपीएलओ कर्मचारी शामिल हुए।

सांसद किरण चौधरी के प्रयास से बूढ़वाल का अंडरपास होगा ऊंचा

- जलभराव से मिलेगी निजात, बूढ़वाल सरपंच की अगुवाई में राज्यसभा सांसद किरण चौधरी से मिले थे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

किरण चौधरी।

राष्ट्रीय राजमार्ग 148 बी पर गांव बूढ़वाल के अड्डे के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से एक छोटा अंडरपास बनाया गया था। जिससे ग्राम वासियों व आसपास के गांव के वाहन चालकों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था। अंडरपास पर जल भराव की समस्या भी बनी रहती है। विगत दिनों बूढ़वाल गांव के सरपंच की अगुवाई में ग्रामवासियों का एक समूह ने एडवोकेट दीपांकन गुप्ता के साथ राज्यसभा सांसद किरण चोंधरी से भेंट कर उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत करवाकर ज्ञापन दिया। जिस पर त्वरित कारवाई करते हुए राज्यसभा सांसद ने सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 148 बी पर बूढ़वाल अड्डे के समीप बने छोटे अंडरपास की ऊंचाई व चौड़ाई बढ़ाने, उचित जल निकासी व्यवस्था व सर्विस लेन पर उतरने हेतु उपयुक्त कट मंजूर करवाया है।

आभार जताया

एडवोकेट दिपांकन गुप्ता के साथ सरपंच धर्मबीर, महावीर नंबरदार, विजय सिंह प्रधान जाट महासभा, अनिल अग्रवाल, राजबीर नंबरदार, जयसिंह पंच, मामचंद जाट, रामकरण नंबरदार, परमानन्द शर्मा पंच, विजेंद्र नंबरदार, मुकेश अग्रवाल, सतवन्त सिंह पंच, हरीसिंह पंच, उर्मिला पंच, बबली देवी पंच, सुमन देवी पंच आदि ने राज्यसभा सांसद किरण चौधरी का आभार व्यक्त किया व कहा कि सांसद दक्षिण हरियाणा के अंतिम छोर रायमलिकपुर तक आमजन की समस्याओं व विकास के लिए हमेशा तैयार रहती है। उनकी सोच समूचे हरियाणा के आमजन मानस को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने की रही है।

अरावली पर्वतमाला का संरक्षण जरूरी : डॉ. राजवती

- 100 मीटर की ऊंचाई वाले शिखरों को अरावली की परिभाषा से बाहर करने संबंधी मापदंड से पैदा होगा खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

डॉ. राजवती।

नारनौल। जिला सहित हरियाणा–राजस्थान क्षेत्र की जीवनरेखा कही जाने वाली अरावली पर्वतमाला आज गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। हाल ही में 100 मीटर की ऊंचाई को अरावली की परिभाषा से बाहर करने संबंधी मापदंड ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर गहरी चिंता पैदा की है। यह निर्णय न केवल अरावली के मूल उद्देश्य जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के विपरित है, बल्कि इससे खनन को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा मिलने का खतरा भी उत्पन्न होता है। यह बात महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. राजवती ने कही। उन्होंने कहा कि अरावली ने कभी चुनाव नहीं लड़ा, न कोई भाषण दिया, न कोई नारा लगाया। वह चुपचाप रेगिस्तान को रोकती रही, पानी सहेजती रही, हवा को साफ करती रही। शायद यही उसकी सबसे बड़ी गलती बन गई, क्योंकि आज के दौर में जो चुप है उसे या तो दोषी मान लिया जाता है या फिर परिभाषा से बाहर कर दिया जाता है।

दोबारा विचार करें

उन्होंने कहा कि अरावली केवल ऊंचाई का नाम नहीं, बल्कि एक पूरा पारिस्थितिकी तंत्र है, जो रेगिस्तान से उड़ने वाली धूल को दूसरी दिशा में जाने से रोकती है, मरुस्थलीकरण को आगे बढ़ने के बीच दीवार है, जो भूजल रिचार्ज, तापमान संतुलन, जैव विविधता और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करता है। हम बात करे महेंद्रगढ़ की तो यहां भी अरावली श्रंखलाएं है, उनमें से केवल एक या दो पहाड़ी को छोड़ के सारी पहाड़ी नई 100 मीटर की परिभाषा से बाहर हो जाती है और आने वाले समय में कभी भी उनका हटाया जा सकता है या इनमें खनन शुरू किया जा सकता। उन्होंने कहा कि 100 मीटर के मापदंड के आधार पर पहाड़ियों को अरावली मानने से इंकार करना, क्षेत्र में अनियंत्रित खनन व पर्यावरणीय क्षति को वैधता देने जैसा कदम है।

सीएल में तुलसी पूजन व क्रिसमस डे मनाया

नारनौल। क्रिसमस डे कार्यक्रम के दौरान बच्चे। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। हुडा स्थित सीएल पब्लिक स्कूल में तुलसी पूजन व क्रिसमस पर्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमें बच्चों ने सांता क्लॉज बनकर, देश भक्ति नृत्य व गीत प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में संस्था के प्रबंधन निदेशक डॉ. अमित गुप्ता, प्राचार्य रविन्द्र सिंह, मुख्याध्यापिका मोनिका कौशल व समस्त स्टाफ सदस्यों ने मिलकर तुलसी पूजन कर की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे विद्यालय के प्रबंधक निदेशक डॉ. अमित गुप्ता ने बच्चों को तुलसी पूजन के अध्यात्मिक महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि यह पर्व आपस में खुशियां बांटने का पर्व है। प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने कहा कि हम इस दिन अच्छे विचारों को स्वीकार करें तथा इसे अपने जीवन में लागू करे।

एमआर स्कूल में क्रिसमस डे पर सांता क्लॉज की ड्रेस पहनकर आए बच्चे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अटेली स्थित एमआर पब्लिक स्कूल में क्रिसमस डे पर अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई। जिसमें निबंध लेखन में अशी, पलक, मानवी, हरीश ने अपने ग्रुप में प्रथम, भूमि, पूर्वी, उमंग, हिमांशी, गरिमा ने दूसरा, महक, तनीषा, विधि, पुरवंशिका व जीविका ने तीसरा स्थान पाया। वाद विवाद प्रतियोगिता में जिगर व अंश ने पक्ष व संगम व रेखा ने विपक्ष में अपने विचार रखे। चित्र में रंग भरने में तपस ने प्रथम, गार्गी व नव्या ने दूसरा, दक्ष, श्रेया, पूर्वी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सांता ड्रेस में वन्या, जयेश, कनिष्का, वंश, नियति, लक्ष्य ने प्रथम स्थान पाया। कक्षा प्रथम से पांचवी तक के वर्ग में रौनक, तनुलता, लक्ष्य, मान्या, मुकुल, हिमांशी, लव्य, पुलकित, चित्रा, श्रेया, प्रियांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्रिसमस ट्री बनाओ में पुनीत, कनिष्क, भाविका, तेजल, शुभम, महक, नित्य, रिया, मयंक, लक्षित, पलक, पीयूष, नव्या, रक्षित, जीवांश, देवांश, हर्षिता, जियांस, वंशु, तान्या, जयंत, सोमेश, विवेक, अलीशा आदि ने अपनी प्रतिभा दिखाइ। इस मौके पर चेयरमैन सियाराम यादव, प्राचार्य मनोज कुमार ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

नारनौल। क्रिसमस डे कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस विद्यालय के मिडिल विभाग में स्पोर्ट्स कार्निवल का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम का शुभारंभ करती एसडीएम कनिका गोयल। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस विद्यालय के मिडिल विभाग में स्पोर्ट्स कार्निवाल का शुभारंभ किया गया। विद्यालय प्रांगण में खेल भावना और उमंग से भरपूर इस आयोजन में विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि एसडीएम कनिका गोयल (आईएएस) रहीं, जबकि अध्यक्षता आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने की। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने अतिथियों का स्वागत कर अभिवादन किया। तुलसी पूजन कर भारतीय संस्कृति और परंपराओं का संदेश दिया। एसडीएम कनिका गोयल कहा कि जीवन में वही बच्चा सफल होता है जो बार-बार प्रयास करता है। एक बार की असफलता से निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि निरंतर प्रयास से ही सफलता प्राप्त होती है। इस मौके पर उपप्राचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, पवन तिवारी, विंग हेड देवेंद्र पूनिया, जिलेसिंह, अमित कुमार, साक्षी मलिक, अनीता अहलावत, खेल एचओडी राजकुमार यादव उपस्थित रहे।

पहले दिन ये रहे विजेता : मिडिल विंग हैड साक्षी मलिक व स्पोर्ट्स हैड राजकुमार यादव ने बताया कि छठी कक्षा की 100 मी. लड़कियों की दौड़ में छवि प्रथम यशिका द्वितीय, विभा लक्ष्मी तृतीय रही। लड़कों की 100 मीटर में रवि कांत प्रथम, यश द्वितीय, भव्या तृतीय रही। 200 मीटर में कनिका प्रथम, दिवांशी द्वितीय, जीविका तृतीय रही। आठवीं कक्षा से लड़कों की 100 मीटर दौड़ में आयुष प्रथम, अंशु द्वितीय, अंश तृतीय, लड़कियों की 100 मीटर में एकता प्रथम, प्रियंका द्वितीय, तन्वी तृतीय रही।

पीएम कुसुम योजना का किसान उठाएं लाभ

सोलर पंप पर 75 प्रतिशत सब्सिडी, 29 तक करें आवेदन

2019 से 2023 के बीच बिजली आधारित नलकूप के लिए आवेदन करने वालों को भी वरीयता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग हरियाणा के सौजन्य से जिले के किसानों के लिए पीएम कुसुम योजना के तहत 75 प्रतिशत अनुदान पर सोलर ऊर्जा पंप लगवाने का एक सुनहरा अवसर है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि इच्छुक किसान 25 दिसंबर से 29 दिसंबर तक हरियाणा सरकार के सरल पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत तीन एचपी, पांच एचपी, 7.5 एचपी और 10 एचपी की 12 विभिन्न श्रेणियों में सोलर पंप उपलब्ध कराए जा रहे हैं। चयन की प्रक्रिया परिवार की वार्षिक आय और भूमि धारण के आधार पर निर्धारित की जाएगी। प्रशासन की ओर से बिजली आधारित नलकूप कनेक्शन के मौजूदा आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी। बशर्ते उन्हें अपना वर्तमान बिजली कनेक्शन सरेंडर करना होगा। वर्ष 2019 से 2023 के बीच बिजली आधारित नलकूप के लिए आवेदन करने वाले किसानों को भी इस योजना में वरीयता मिलेगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन गांवों में भूजल स्तर 100 फीट से नीचे चला गया है, वहां सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली माइक्रो इरिगेशन स्थापित करना अनिवार्य है। अन्य क्षेत्रों में भी भूमिगत पाइप लाइन या सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली अनिवार्य होगी। हालांकि धान उगाने वाले वे किसान इस योजना के पात्र नहीं होंगे, जिनके क्षेत्र का भूजल स्तर 40 मीटर से नीचे गिर चुका है। प्रतीक्षा सूची में शामिल पुराने आवेदकों को सलाह दी गई है कि यदि वे अपने सोलर पंप की क्षमता या प्रकार बदलना चाहते हैं, तो अपनी पुरानी फैमिली आईडी का उपयोग कर नया आवेदन कर सकते हैं। ऐसे आवेदकों को नया चालान जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

आवश्यक दस्तावेज

ऑनलाइन आवेदन के लिए किसानों के पास परिवार पहचान पत्र, कृषि भूमि की जमाबंदी फर्द और आवेदक के नाम पर बिजली आधारित पंप न होने का प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। आवेदन व कंपनी चयन के बाद किसानों को एक वर्चुअल अकाउंट नंबर वाला चालान प्राप्त होगा। जिसमें लाभार्थी हिस्सा एनईएफटी या आरटीजीएस के माध्यम से जमा करना होगा। इन सोलर पंपों पर पांच वर्ष की वारंटी दी जाएगी और साथ ही पांच वर्षों के लिए चोरी व प्राकृतिक आपदा से सुरक्षा के लिए बीमा भी प्रदान किया जाएगा।

खबर संक्षेप

बहल में पेयजल सप्लाई को लेकर हुई बैठक

बहल। बहल में चल रहे सीवरेज व पेयजल परियोजना के सही क्रियांवन के लिए गठित कमेटी सदस्यों ने जनस्वास्थ्य व पंचायत विभाग के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। मीटिंग में विभागीय अधिकारियों ने पूरे सिस्टम की जानकारी दी व कहा कि इतना बड़ा काम जनसहयोग के बिना पूरा नहीं होगा और इसमें बहल के हर नागरिक की सहभागिता जरूरी है।

छात्रों को नशे के प्रति किया जागरूक

भिवानी। महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नशा मुक्ति जागरूकता विषय पर पावर प्वाइंट प्रेज़ेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय उप प्राचार्य डा. जगवीर सिंह मान ने बताया कि इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों से कुल 65 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

चरस की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार

भिवानी। सरकार के नशा मुक्त प्रदेश संकल्प को साकार करने हेतु चल रहे राज्यव्यापी अभियान ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के अंतर्गत हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की भिवानी यूनिट ने 1.360 किलोग्राम चरस तस्करी के मामले मे तीसरे सप्लायर नशा तस्कर प्रह्लाद को बरवाला, हिसार से गिरफ्तार किया। मामले मे अभी तक कुल 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एसडीएम अहलावत ने संभाला कार्यभार

तोशाम। प्रदीप अहलावत ने बतौर उपमंडल अधिकारी (नागरिक) तोशाम में बुधवार को अपना पद संभाल लिया है। इससे पहले प्रदीप अहलावत मानेसर के स्वच्छता अधिकारी के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे दे रहे थे। आपको बता दे कि प्रदीप अहलावत 2016 बैच के एचसीएस अधिकारी हैं। इन्होंने एसडीम नूंह और सीईओ जिला परिषद नूंह सहित कई अन्य पदों पर रह चुके है।

निकासी योजनाओं का किया निरीक्षण

चरखी दादरी। उपायुक्त डा मुनीश नागपाल ने बुधवार को सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ शहर के साथ लगते क्षेत्र में प्रस्तावित जल निकासी योजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने चिडिया मोड और घसौला रोड पर मौका मुआयना किया और जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस साल दादरी में पहले के मुकाबले काफी ज्यादा बरसात हुई, जिसके कारण शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में भी जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा। ऐसे में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए निकासी की व्यवस्था करें।

कीकर वासनी से गामड़ी तक बनेगी सड़क

चरखी दादरी। दादरी नगर व क्षेत्र की प्रत्येक जनहित की मांग को सिरे चढवाने के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। नगर परिषद के माध्यम से अधिक से अधिक कार्यों को करवाने के लिए तेजी से कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश अनुसार दादरी के हर इलाके में मूलभूत सुविधाओं को पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया हैं, जिससे कि नागरिकों की परेशानियों व समस्याओं को हल किया जा सके, ये बात नगर परिषद चेयरमैन बख्शीराम सैनी ने कही।

सांसद खेल महोत्सव का समापन आज

भिवानी। हॉल ही में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर भीम स्टेडियम में 25 दिसंबर को सुबह 10 बजे एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का वर्चुवल प्रसारण दिखाया जाएगा। कार्यक्रम में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मबीर सिंह मुख्य अतिथि होंगे।

क्रिसमस की तैयारियों में जुटे लोग, चर्च को सजाया

प्रभु यीशु मसीह जन्मा, प्यारा प्रभु जन्मा व जिंगल बेल से गूंजेगी छोटी काशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। क्रिसमस डे की पूर्व संध्या पर घर में क्रिसमस ट्री को सजाते अनन्या मार्क, आयशा व अंश मार्क्स व क्रिसमस डे की पूर्व संध्या पर सजा चर्च।

हर वर्ष 25 दिसंबर को क्रिसचन परिवार प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिवस को क्रिसमस डे के रूप में मनाते हैं। ईसाई समाज को हर वर्ष क्रिसमस डे का बेसब्री से इंतजार रहता हैं। ईसाई परिवार के लिए ये सबसे बड़ा दिन एवं बड़ा त्योहार होता हैं, जिसकी ईसाई परिवार कई दिन पहले से ही तैयारियां करनी शुरू कर देते हैं। 25 दिसंबर को नया बाजार स्थित बैपटिस्ट चर्च में क्रिसमस डे बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसकी तैयारियों को लेकर ईसाई समाज जुटा हुआ हैं। बैपटिस्ट चर्च को क्रिसमस डे को लेकर रंग-बिरंगी लाइटों व लड्डियों से सजाया गया। क्रिसमस डे पर प्रभु यीशु जन्मा, प्यारा प्रभु जन्मा, जिंगल बेल-जिंगल बेल से छोटी कांशी गूंजेगी।

उल्लेखनीय हैं कि हर वर्ष 25 दिसंबर को प्रभु यीशु मसीह का जन्मदिवस क्रिसमस डे के रूप में मनाते हैं। 25 दिसंबर को नया बाजार स्थित बैपटिस्ट चर्च में सुबह सवा नौ बजे प्रार्थना सभा होगी, जिसमें प्रभु यीश मसीह के जीवन, धार्मिकता व पवित्रता पर प्रकाश डाला जाएगा। ईसाई समाज व परिवारों को हर वर्ष क्रिसमस डे का बेसब्री से इंतजार रहता हैं। ईसाई परिवारों के लिए ये सबसे बड़ा दिन होता हैं। बैपटिस्ट चर्च व घरों को क्रिसमस डे को लेकर रंग-बिरंगी लाइटों व लड्डियों से सजाया गया हैं। वहीं बैपटिस्ट चर्च व घरों में क्रिसमस ट्री को बहुत ही सुंदर तरीके से सजाया गया हैं। ईसाई परिवार क्रिसमस डे को लेकर काफी खुश हैं, वे बाजारों में जमकर खरीददारी कर रहे हैं और नए-नए कपड़े व अन्य सामान की खरीदारी कर रहे हैं। बाजारों में भी शांता क्लॉज की ड्रेस व अन्य सामान बिक रहा हैं। वहीं क्रिसमस डे के लिए महिलाएं केक बनाने का सामान खरीद रही हैं। बैकरी शॉप पर केक के ऑर्डर बुक करवाएं जा रहे हैं। अनिल मार्क, रॉकसाना मार्क व चंद्रप्रकाश ने बताया कि पर्व को लेकर शहर व श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है।

भजन मंडली घर घर जाकर दे रही संदेश

क्रिसचन परिवारों की भजन मंडली क्रिसचन परिवारों के घर जाकर प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिवस की भजनों के माध्यम से बधाई देती हैं और प्रभु यीश मसीह जन्मा, प्यारा प्रभु जन्मा का संदेश प्रेसित करती हैं। इसके साथ ही बैपटिस्ट चर्च में होने वाली प्रार्थना सभा में शामिल होने का सभी को न्योता भी देती हैं, जहां मिलकर प्रभु यीशु के संदेश को सुना जाता हैं और उनका अनुशरण करने को प्रेरित किया जाता हैं। इस मौके पर अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की भी तैयारियां की जाती हैं।

सुबह सवा नौ बजे शुरू होगी प्रार्थना सभा

बैपटिस्ट चर्च के पादरी प्रकाश मसीह ने बताया कि बैपटिस्ट चर्च में 25 दिसंबर को सुबह साढ़े 10 बजे प्रभु यीशु मसीह की प्रार्थना होगी, जो साढ़े 12 बजे तक चलेगी। इसके बाद 12 बजे भंडारा लगाया जाएगा, जिसमें सभी प्रसाद ग्रहण करेंगे। प्रार्थना सभा में यीशु मसीह का संदेश दिया जाएगा और बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियां की जाएगी। चर्च दिनभर लोगों के लिए खुला रहेगा। पादरी प्रकाश मसीह ने बताया कि प्रभु यीशु मसीह ने लोगों को सच्चाई के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

क्रिसमस ट्री को सजाया

आयशा मार्क्स, अंश व अनन्या मार्क्स ने बताया क्रिसचन परिवारों का क्रिसमस डे सबसे बड़ा पर्व होता हैं, जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार रहता हैं। क्रिसमस डे पर क्रिसचन परिवार घरों व चर्च को रंग-बिरंगी लाइटों व लड्डियों से सजाते हैं, वे क्रिसमस को लेकर कई दिन से बाजार में खरीददारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्रिसमस से एक दिन पूर्व रात्रि को कैरल सींगिंग पार्टी होती हैं और सभी क्रिसचन परिवार एक दूसरे के घरों में जाकर मेरा प्रभु जन्मा, प्यारा प्रभु जन्मा गीत गाकर बधाई देते हैं और क्रिसचन परिवार केक खाकर व खिलाकर खुशी का इजहार करते हैं। क्रिसचन परिवार अपने घरों में क्रिसमस ट्री को बहुत ही सुंदर तरीके से सजाते हैं, जिसमें लाइटिंग, लड्डियां, चॉकलेट, टॉफी, खिलौने व गिफ्ट से सजाते हैं।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक

प्रस्तावित हाइवे के साथ निकासी का भी प्रावधान करें : धर्मबीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक लेते सांसद।

जिला की सीमा में बनने वाले या प्रस्तावित प्रत्येक नेशनल हाइवे या स्टेट हाइवे के साथ सर्विस रोड व पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कोई भी एजेंसी सर्विस रोड व पानी निकासी के प्रावधान के बिना किसी भी सड़क का डिजाइन ना बनाए। प्रस्तावित एवं नए बनने वाले मार्गों के कारण किसी भी क्षेत्र में जलभराव की समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए।

लोकसभा सांसद चौ धर्मबीर सिंह ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले अनुभव के आधार पर देखा गया है कि बरसात की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है और नए नए क्षेत्रों में जलभराव की समस्या सामने आ रही है। साथ ही यह भी देखने में आया है कि नए बनने वाले मार्गों के साथ पानी निकासी की व्यवस्था नहीं हाती है, जिसके कारण यदि एक तरफ पानी भर जाता है तो उसे निकालना बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सड़क मार्ग बनाने वाली सभी एजेंसियां सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रस्तावित या नए बनने वाला नेशनल हाइवे या स्टेट हाइवे के साथ आबादी क्षेत्र में सर्विस रोड जरूर हो और इसके अलाव हाइवे के दोनों ओर पानी निकासी की व्यवस्था भी हो। बिना इन प्रावधानों के रोड के डिजाइन ना बनाएं जाएं।

लोगों को योजनाओं का लाभ घर बैठे देने का लक्ष्य : एसडीएम

तोशाम। आयोजित कार्यक्रम का निरीक्षण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

तोशाम। एसडीएम प्रदीप अहलावत ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार 19 से 25 दिसंबर तक चलने वाले सुशासन सप्ताह के तहत डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में गांव लक्ष्मणपुरा के पंचायत घर परिसर में बुधवार को उपमंडल प्रशासन की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसडीएम प्रदीप अहलावत ने कहा कि विभागों के अधिकारी जनहित से जुड़ी योजनाओं और परियोजनाओं का अधिक से अधिक लोगों को लाभ दे।प्रशासन का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को उनके घर द्वार पर सरकार की योजनाओं का लाभ देना है।इस दौरान एसडीएम ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि सरकार द्वारा लोगों के जीवन उत्थान के लिए चलाई जा रही अनेक कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

मनजोत सिंह की माता जसविंद्र कौर का 65 वर्ष की आयु में निधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी कार्यालय में तैनात जिला मार्केटिंग मैनेजर मनजोत सिंह की माता जसविंद्र कौर का मंगलवार देर शाम निधन हो गया। वे 65 वर्ष की थी। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थी। देर शाम उन्होंने अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे दो पुत्र व एक पुत्री छोड़ कर गई है। शहर के गणमान्य लोगों ने उनके निधन पर शोक जताया और परिवार को सांत्वना दी।

रामबाग में अंतिम संस्कार

बुधवार को उनका अंतिम संस्कार हांसी गेट स्थित रामबाग में किया। इस दौरान उनकी अंतिम यात्रा में शहर के अलावा अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। उनकी अंतिम यात्रा में हरिभूमि टीम के अलावा मनजीत सिंह, सुरजीत सिंह टीटी, त्रिलोचन सिंह, मनदीप, प्रिंस, रोबिन, सुनील लेघा, कुलदीप बेनीवाल, अनिल कौशिक, उमेश मित्तल टीनू, रमेश सैनी, रिकी, कृष्ण काटी, नारायण, आनंद बासिया, मनोज परमार, वर्धमान ज्वैलर्स के मालिक सचिन जैन, डॉ. राजेश श्योराण, कुलदीप लेघा, जगबीर घनघस, इंद्रवेश दुहन, अजय मल्होत्रा,सरदार कृष्ण, बंटी, हरिकिशन, गिरीराज, भूपेंद्र सहित शहर के अन्य लोग मौजूद रहे।

बीरण का प्रतिनिधिमंडल मांगों को लेकर उपायुक्त से मिला

सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के निरीक्षण के बाद भी नहीं मिला मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने जाता गांव बीरण का प्रतिनिधिमंडल।

गांव बीरण में बीते दिनों आई बारिश से हुए भारी जलभराव के कारण बर्बाद हुई खरीफ की फसल का उचित मुआवजा अब तक न मिलने से किसानों में भारी रोष है। इसी समस्या के समाधान और किसानों को न्याय दिलाने के लिए बुधवार को ग्राम पंचायत बीरन का एक प्रतिनिधिमंडल सरपंच सुल्तान सिंह के नेतृत्व में भिवानी के उपायुक्त से मिला और उन्हें एक मांग पत्र सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से तोशाम हल्का अध्यक्ष एडवोकेट हरिसिंह सांगवान और भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार जांगड़ा भी शामिल रहे। इनके अलावा जयसिंह यादव, विनोद यादव, संतलाल सैनी, रतन शर्मा, विक्रम राठौड़ आदि शामिल रहे। उपायुक्त को सौंपे मांगपत्र में सरपंच सुल्तान सिंह ने बताया कि गांव बीरन में भारी जलभराव हुआ था, जिसकारण खरीफ की फसल 75 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक पूरी तरह बर्बाद हो गई थी, जिसके चलते किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया और अब उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को याद दिलाया कि जलभराव की स्थिति इतनी गंभीर थी कि सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने स्वयं तीन बार गांव का निरीक्षण किया था। सिंचाई विभाग द्वारा पानी निकासी की कार्रवाई भी की गई थी, लेकिन मुआवजे के नाम पर कुछ नहीं मिला।

संस्कृति म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान महोत्सव के दूसरे दिन उमड़ा जनसैलाब

स्वरचित नरसी के भात सांग का किया सजीव मंचन

- संस्कृति से होती है किसी भी राष्ट्र की पहचान : सरपंच कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। मुख्यअतिथि को सम्मानित करके सांग का शुभारंभ करवाते हुए।

भारतीय लोक परंपराओं को जीवंत करने और युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोडऩे के उद्देश्य से जिला के गांव उमरावत में जारी पांच दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का बुधवार को दूसरा दिन ऐतिहासिक रहा। म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के तत्वावधान में सूर्य कवि पंडित लख्मीचंद सांस्कृतिक भवन उमरावत में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में बुधवार को लोक कला और साहित्य की त्रिवेणी देखने को मिली। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच दिनेश कौशिक ने शिरकत की।

मुख्य अतिथि सरपंच दिनेश कौशिक ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी संस्कृति से होती है। उन्होंने म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा यह प्रयास सराहनीय है।

सांग परंपरा का जादू बिखरा

प्रवक्ता रामधन शास्त्री ने बताया कि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की कड़ी में बुधवार को सांग परंपरा का जादू बिखरा। कलाकार और संगीतज्ञ धर्मवीर भगाना ने स्वरचित नरसी का भात सांग का सजीव मंचन किया। भक्ति रस और मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत इस प्रस्तुति ने वहां मौजूद दर्शकों की आंखों को नम कर दिया और पूरा परिसर तालियों की गडग़ड़ाहट से गूंज उठा। इस महोत्सव की एक विशेष उपलब्धि महिला पदाधिकारियों की सक्रिय और गौरवपूर्ण उपस्थिति रही। संगठन की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सुशीला जांगड़ा के नेतृत्व में हरियाणा प्रमुख सुदेश और हिसार प्रमुख मीना शर्मा सहित अनेक महिला प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। यह उपस्थिति समाज में सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति महिलाओं की बढ़ती जागरूकता का प्रतीक बनी। उन्होंने ग्रामीण अंचलों में छिपी प्रतिभाओं को मंच देने के लिए संगठन का आभार जताया। महोत्सव का दूसरा दिन साहित्य प्रेमियों के लिए विशेष रहा। कार्यक्रम में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए प्रख्यात कवियों और साहित्यकारों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

न्यूज डायरी

कंप्यूटर ऑपरेटर संघ ने सौंपा ज्ञापन

चरखी दादरी। उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन देते। फोटो : हरिभूमि

चरखी दादरी। हरियाणा पंचायत कंप्यूटर ऑपरेटर संघ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर उपायुक्त को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा । इस प्रदर्शन की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ जिला चरखी दादरी से प्रधान विजय, जिला मंत्री विजय शर्मा एवं प्रदेश मंत्री हवा सिंह तंवर की अध्यक्षता में हरियाणा पंचायत कंप्यूटर ऑपरेटर संघ से जिला प्रधान विकास अटेला, जिला मंत्री धर्मेंद्र चिड़िया, जिला उपप्रधान रवि गुजराण, जिला उपप्रधान जतिन चांदवास, जिला सहसचिव रामजीत रणकोली, सहसचिव अंजली, जिला प्रेस प्रवक्ता नवीन कारी एवं सभी ब्लॉक कार्यकारिणी के सहयोग से ज्ञापन सौंपा गया, कर्मचारियों में सरकार के प्रति रोष दिखा। रोष का बड़ा कारण कई बार सरकार द्वारा आश्वासन देने के बाद भी सरकार ने कोई संज्ञान नहीं लिया। इनकी सैलरी मात्र 6 हजार हजार प्रति महीना है। जिससे इनके परिवार का गुजर बसर नहीं हो पा रहा है।

सेशन जज ने किया जेल का औचक निरीक्षण

भिवानी। जिला कारागार का निरीक्षण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया और मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-कम-सचिव पवन कुमार ने स्थानीय जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण किया और कैदियों की समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान सेशन जज ने बैरकों की साफ-सफाई, शौचालयों व स्नानघरों की स्वच्छता को और बेहतर बनाने के लिए जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कैदियों के लिए स्वच्छ पेयजल तथा अन्य राहत उपाय सुनिश्चित करने को कहा। सेशन जज चालिया ने जेल पुस्तकालय का निरीक्षण करते हुए कहा कि कैदियों को सामान्य शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए ताकि वे भविष्य में समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें और सम्मानजनक जीवन व्यतीत करने में मदद करे।

वायु सेना में चयन होने पर दी शुभकामनाएं

बवानीखेड़ा। प्रतिभा को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के बी. के. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हर्षोल्लास का वातावरण रहा । यह वह अवसर था जब विद्यालय के पुरातन छात्र प्रियांशु जाखड़, गाँव पुर भारतीय वायु सेना के नवनियुक्त पदाधिकारी के रूप में अपने पिता अशोक जाखड़, माता राजेंद्र कौर, मामा भवानी प्रताप, बहन रश्मिता के साथ विद्यालय में पधारे। छात्र प्रियांशु ने सत्र 2021 में बारहवीं उत्तीर्ण की। उसके बाद उन्होंने प्रथम प्रयास में ही एन.डी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। सन 2021 में इनका वायु सेना अधिकारी के रूप में चयन हुआ। विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा एवं विद्यालय प्रबंधन समिति की सचिव योगेश शर्मा, सदस्य सुभाष शर्मा द्वारा छात्र प्रियांशु का विद्यालय पधारने पर फूल मालाओं, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह के द्वारा स्वागत सत्कार किया गया। छात्र प्रियांशु ने अपने उद्बोधन में सबसे पहले विद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता एवं अपने शिक्षक वर्ग योगेंद्र सिंह, मंजू मलिक, कविता, मीनाक्षी, कृष्ण कुमार, गौरव को दिया। उन्होंने अपने छोटे भाई- बहनों को सफलता का मूल मंत्र योजना अनुसार कार्य करना एवं आत्मविश्वास के साथ कठिन परिश्रम करना बताया। इस दौरान विद्यार्थियों ने उनसे कुछ प्रश्न भी पूछे जिनका उन्होंने बड़े आत्मविश्वास के साथ उत्तर दिया।

संगोष्ठी में चरखी दादरी को मिला प्रथम पुरस्कार

भिवानी। राष्ट्रीय संगोष्ठी नीमाकॉन में पुरस्कार प्राप्त करते नीमा चरखी दादरी के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

चरखी दादरी। मोतिहारी व बिहार नीमा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी नीमाकान-2025 का गत रविवार को भव्य समापन हुआ। इसके विषय में जानकारी देते हुए नीमा चरखी दादरी प्रधान डॉक्टर विजय शर्मा व उपप्रधान डॉक्टर संजय फौगाट ने बताया कि संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, ओडिशा, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, झारखंड, बिहार सहित नेपाल एवं अन्य राज्यों के चिकित्सकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। नीमा दादरी सचिव डॉ. कृष्ण वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यतिथि पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह, विशिष्ट अतिथि विधायक प्रमोद कुमार, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव, उपमहापौर लालबाबू गुप्ता, नीमा केंद्रीय परिषद के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुलकर्णी, पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनायक तेम्भूरनिकर, महासचिव डॉ. परविंदर बजाज एवं कोषाध्यक्ष डॉ. शांतिलाल शर्मा ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। समारोह में नीमा चरखी दादरी को गत दिनों आयुर्वेद दिवस पर विश्व बवासीर दिवस व एड्स दिवस पर जन सामान्य जनचेतना अभियान जैसे उत्कृष्ट कार्यों के लिए व नीमा सैंट्रल कौंसिल के लिए नीमा दादरी के योगदान के लिए नीमा केंद्रीय परिषद के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुलकर्णी, व महासचिव डॉ. परविंदर बजाज ने सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि नीमा सैंट्रल कौंसिल द्वारा गत दिनों राष्ट्रीय स्तर पर मैगा मैंबरशिप अभियान चलाया गया था, जिसमें चरखी दादरी नीमा ने पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोगों ने भी अभियान को सराहा।